Board X 2025

Series : HGFE1

SET ~ 1

प्रश्न-पत्र कोड **4/1/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और
\# इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (ब)
HINDI (B)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे*

*अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **16** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खण्ड हैं – **क**, **ख**, **ग** और **घ**।

(iii) **खण्ड क** में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।

(iv) **खण्ड ख** में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(v) **खण्ड ग** पाठ्य-पुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) **खण्ड घ** रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(vii) यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : 7

भारतीय चिंतन में स्वास्थ्य का अर्थ 'स्व' में स्थित होता है। दूसरे शब्दों में एक आत्मस्थ व्यक्ति को स्वस्थ कहा जा सकता है। जीवन का आनंद लेने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण है। समाज का एक उत्पादक सदस्य होने के नाते हमें जागरूक और शरीर से क्रियाशील होने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मनोविज्ञान में वे मनोवैज्ञानिक कारक आते हैं जो स्वास्थ्य को बनाए रखने और उन्नत करने में सहायक होते हैं। यह उन कारकों की भी खोज करता है जो रोग की स्थिति पैदा करते हैं। हमारी जीवन शैली और सोचने एवं व्यवहार करने के तरीके लोगों के स्वास्थ्य स्तर में योगदान करते हैं। व्यायाम, पौष्टिक भोजन लेने और धूम्रपान जैसे दुर्व्यसनों में परिवर्तन से शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है।

स्वास्थ्य शारीरिक और मानसिक कुशलक्षेम की अवस्था को कहते हैं। यह एक सकारात्मक अवस्था है। लोगों के व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन में स्वास्थ्य का केन्द्रीय स्थान है। आज की दुनिया में लोगों के गुणात्मक जीवन को चारों ओर से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसका परिणाम लोगों का गिरता स्वास्थ्य है। एक ओर बाहरी पर्यावरण बड़ी तेजी से बदल रहा है। इससे अनेक पर्यावरणीय तनावों से सफलतापूर्वक निपटने की आवश्यकता है। सामाजिक संरचना में आए बदलाव जैसे परिवार और अन्य सामाजिक संस्थाओं का विघटन, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी संस्कृति द्वंद्व और असहयोग को बढ़ावा प्रदान कर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है।

(i) गद्यांश के अनुसार व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण है : 1

(A) धन

(B) संघर्ष

(C) स्वास्थ्य

(D) परिश्रम

(ii) 'समाज का उत्पादक सदस्य होने से' क्या अभिप्राय है ? 1

(A) समाज के विकास में योगदान देने वाला सक्रिय नागरिक

(B) कल-कारखानों में काम करने वाला मेहनती श्रमिक

(C) खेत-खलिहानों में काम करने वाला परिश्रमी किसान

(D) देश के विकास में योगदान देने वाला चिंतनशील वैज्ञानिक

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1

कथन : उत्तम स्वास्थ्य व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक है।
कारण : मन की जागरूकता और शरीर की क्रियाशीलता स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं।
(C) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।
(D) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(iv) स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले नकारात्मक कारकों का उल्लेख कीजिए। 2

(v) स्वास्थ्य किसे कहते हैं ? शरीर को स्वस्थ कैसे रखा जा सकता है ? 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : 7

क्रोध दु:ख के चेतन कारण के साक्षात्कार या अनुमान से उत्पन्न होता है। साक्षात्कार के समय दु:ख और उसके कारण के संबंध का परिज्ञान आवश्यक है। तीन-चार महीने के बच्चे को कोई हाथ उठाकर मार दे, तो उसने हाथ उठाते तो देखा है पर उसकी पीड़ा और उस हाथ उठाने से क्या संबंध है, यह वह नहीं जानता है। अतः वह केवल रोकर अपना दु:ख मात्र प्रकट कर देता है। दु:ख के कारण की स्पष्ट धारणा के बिना क्रोध का उदय नहीं होता। दु:ख के सज्ञान कारण पर प्रबल प्रभाव डालने में प्रवृत्त करवाने वाला मनोविकार होने के कारण क्रोध का आविर्भाव बहुत पहले देखा जाता है। शिशु अपनी माता की आकृति से परिचित हो जाने पर ज्यों ही यह जान जाता है कि दूध इसी से मिलता है, भूखा होने पर वह उसे देखते ही अपने रोने में कुछ क्रोध का आभास देने लगता है।

सामाजिक जीवन में क्रोध की ज़रूरत बराबर पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों की चिरनिवृत्ति का उपाय ही न कर सकेगा। समाज में निराशा और अत्याचार का बोलबाला बढ़ जाएगा। कोई मनुष्य किसी दुष्ट के नित्य दो-चार प्रहार सहता है। यदि उसमें क्रोध का विकास नहीं हुआ है तो वह केवल आह-ऊह करेगा, जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं। उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा। संसार किसी को इतना समय ऐसे छोटे-छोटे कामों के लिए नहीं दे सकता।

(i) क्रोध की उत्पत्ति का क्या कारण है ? 1

(A) सामने वाले के हृदय में दया उत्पन्न करना
(B) दु:ख के चेतन कारण के साक्षात्कार का अनुमान
(C) क्रोध को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानना
(D) अपनी भावनाओं पर नियंत्रण न रख पाना

(ii) माँ की गोद में जाते ही शिशु क्यों शांत हो जाता है ? 1

(A) माता शिशु की जननी है।

(B) सुरक्षा का अनुभव करता है।

(C) माँ की गोद में ममता का अनुभव करता है।

(D) माँ की आकृति पहचान भूख शांत हो जाने की आशा है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1

कथन : क्रोध की आह-ऊह का दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

कारण : दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(iv) गद्यांश का लेखक सामाजिक जीवन में क्रोध का समर्थन करता है, क्यों ? 2

(v) गद्यांश के आधार पर क्रोध की व्याख्या कीजिए। 2

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(क) 'बचपन में हरिहर काका मुझे सुबह से शाम तक घुमाया करते थे।' – वाक्य में से क्रिया-विशेषण (अव्यय) पदबंध चुनकर लिखिए।

(ख) किसी वाक्य में विशेषण पदबंध की पहचान कैसे की जा सकती है ?

(ग) 'गाँव के मध्य बरगद का पुराना वृक्ष स्थित है।' – इस वाक्य में रेखांकित भाग किस पदबंध का उदाहरण है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'बाहर से आए छात्रों में से कुछ देशाटन के लिए गए हैं।' – वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।

(ङ) 'अवकाश के दिनों में एक-डेढ़ महीना खूब खेला-कूदा करते थे।' – वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) मिश्र वाक्य को संयुक्त वाक्य में कैसे रूपांतरित किया जाता है ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) 'सआदत अली हमारा दोस्त है और बहुत ऐश पसंद आदमी है।' – सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(ग) 'नेचर की सहनशक्ति की भी एक सीमा होती है।' – मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(घ) 'नूह उनकी बात सुनकर दुखी हो मुद्दत तक रोते रहे।' – संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(ङ) 'बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का जिक्र मिलता है।' – रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) द्वंद्व समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए।

(ख) तुलसी द्वारा कृत (रचित) रामचरितमानस प्रसिद्ध ग्रंथ है। रेखांकित पदों की जगह उपयुक्त समस्तपद प्रयुक्त कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए।

(ग) 'कृष्णमृग' समस्तपद का विग्रह करते हुए समास का नाम भी लिखिए।

(घ) 'दशानन' समस्तपद समास के किस भेद का उदाहरण है ?

(ङ) 'पीतांबर' समस्तपद का विग्रह कर्मधारय और बहुव्रीहि समास दोनों रूपों में कीजिए।

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) 'जिस व्यक्ति को विरह रूपी सर्प डस लेता है उस पर कोई मंत्र नहीं लगता।' – पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ख) 'जरा भी अच्छा न लगना' (न सुहाना) अर्थ को व्यक्त करने वाला उपयुक्त मुहावरा लिखिए।

(ग) 'जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(घ) 'जब से प्रतियोगी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, अक्षय के _____ पड़ रहे।' – उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(ङ) 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे के अर्थ को व्यक्त करने वाला कोई अन्य मुहावरा लिखिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया ? या यों ही पढ़ गए ? महज इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो। रावण भूमंडल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेज़ों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेज़ों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ ? घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू भर पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराए नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(i) गद्यांश में रावण का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *1*

(A) छोटे भाई को अभिमान के दुष्परिणामों से अवगत कराने के लिए

(B) रावण के दुखदायी और एकाकी अंत से परिचित कराने के लिए

(C) रावण को अंग्रेज़ों से भी अधिक शक्तिशाली बताने के लिए

(D) रावण के शक्तिशाली साम्राज्य से परिचित कराने के लिए

(ii) रावण को चक्रवर्ती सम्राट कहे जाने का प्रमुख कारण है : *1*

(A) बड़े-बड़े देवताओं को अपने नियंत्रण में रखना

(B) संपूर्ण संसार पर अपना आधिपत्य स्थापित करना

(C) राजा-महाराजाओं से मनमाना कर वसूल करना

(D) अपने राज्य का विस्तार दूर तक करना

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1

कथन : इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

कारण : वास्तविक ज्ञान बौद्धिक ज्ञान है जो जीवन को सार्थक बनाता है।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(C) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए : 1

	कॉलम-I		कॉलम-II
1.	नाम-निशान मिटा देना	I.	कहीं का नहीं रहना
2.	एक चुल्लू भर पानी न देना	II.	अस्तित्व समाप्त करना
3.	दीन-दुनिया से जाना	III.	थोड़ी भी सहायता न करना

विकल्प :

(A) 1-III, 2-II, 3-I

(B) 1-I, 2-II, 3-III

(C) 1-II, 2-III, 3-I

(D) 1-II, 2-I, 3-III

(v) गद्यांश के मूल भाव को व्यक्त करने वाला/वाले कथन है/हैं : 1

I. व्यक्ति को घमंड नहीं करना चाहिए।

II. शिक्षा प्राप्ति का उद्देश्य ज्ञान के साथ बौद्धिक विकास है।

III. देवताओं का अनादर नहीं करना चाहिए।

IV. किताबें पढ़कर ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है।

विकल्प :

(A) केवल IV (B) केवल II

(C) I और II दोनों (D) I और IV दोनों

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'एक संगठित समाज कृत-संकल्प हो तो कुछ भी कर सकता है।' 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।

(ख) अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की भौगोलिक स्थिति स्पष्ट करते हुए, इसमें आए परिवर्तन का उल्लेख 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर कीजिए।

(ग) तीसरी क़सम फ़िल्म में राजकपूर अभिनय नहीं करता। वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है। 'तीसरी क़सम के शिल्पकार शैलेंद्र' – पाठ के संदर्भ में कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर नूह के मुद्दत तक रोते रहने का कारण स्पष्ट कीजिए। इससे उनके चरित्र की किस विशेषता का पता चलता है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
– जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल !

(i) 'पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश' पंक्ति का अभिप्राय है : *1*

(A) प्रकृति अपनी वेशभूषा बार-बार बदल रही है
(B) पर्वतों पर बादल बार-बार रूप बदल रहे हैं
(C) प्रकृति का रूप सौंदर्य पल-पल नए रूप धारण कर रहा है
(D) बादल बार-बार प्रकृति को नया रूप प्रदान कर रहे हैं

(ii) पर्वतों की आँखें किसे कहा गया है ? *1*

(A) दर्पण को (B) ताल को
(C) पुष्पों को (D) मेखला को

(iii) तालाब की समानता दर्पण से किस आधार पर की गई है ? 1

(A) रूपाकार (B) चमक

(C) पारदर्शिता (D) स्वच्छता

(iv) पर्वत ताल में क्या देख रहा है ? 1

(A) आकाश का प्रतिबिंब (B) रंग-बिरंगे पुष्प

(C) अपना विशाल आकार (D) बादलों का सौंदर्य

(v) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किसका वर्णन किया है ? 1

(A) वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश की अलौकिक सुषमा

(B) वर्षा ऋतु में रंग-बिरंगे पुष्पों की सुंदरता

(C) पर्वतीय प्रदेशों में पाई जाने वाली वनस्पति

(D) पर्वतों की तलहटी में पलने वाले तालाब

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) साधारणत: निंदक किसी को पसंद नहीं होते फिर भी कबीरदासजी ने निंदकों को अपने पास रखने की सलाह क्यों दी है ?

(ख) कृष्ण की लीलाओं एवं महिमा वर्णन के पीछे मीराबाई का क्या उद्देश्य था ?

(ग) तोप और चिड़िया की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए 'तोप' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'खूँ से ज़मीं पर लकीर खींचने' का आशय क्या है – 'कर चले हम फ़िदा' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 – 50 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'हरिहर काका' पाठ में हरिहर काका की तुलना मझधार में फँसी नाव पर सवार लोगों से किस आधार पर की गई है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ में अंग्रेज़ों द्वारा गाँव के नवयुवकों को फ़ौज में भर्ती करने के लिए नौटंकी द्वारा उन्हें आकर्षित करने का उल्लेख किया गया है। वर्तमान समय में प्रचार-प्रसार के तरीकों में क्या परिवर्तन आया है ?

(ग) 'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी के लगातार दो बार फ़ेल हो जाने के जो कारण दिए गए हैं, क्या आप उनसे सहमत हैं ? सहमति या असहमति दोनों स्थितियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड घ

(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) पर सेवा का सुख

संकेत-बिंदु

- पर सेवा से अभिप्राय
- पर सेवा से प्राप्त अनुभव
- मानव जीवन की कृतार्थता

(ख) धरती का बढ़ता तापमान

संकेत-बिंदु

- तापमान बढ़ोतरी का कारण
- बढ़ोतरी से उत्पन्न समस्याएँ
- बढ़ते तापमान का समाधान

(ग) टी-20 विश्व कप (2024) का सबसे रोमांचक मैच

संकेत-बिंदु

- मैच का परिचय
- मैच के रोमांचक पल
- विजेता टीम के साथ उल्लास

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए : 5

(क) अपने विद्यालय में आयोजित होने वाले खेल-दिवस समारोह में किसी विशिष्ट खेल में सम्मानित व्यक्ति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए प्रधानाचार्य की ओर से एक पत्र लिखिए।

अथवा

(ख) आपका नाम शोभित/शोभना है। भीषण गर्मी के कारण वैश्विक स्तर पर जंगलों में लगने वाली आग पर चिंता और उसके समाधानों पर विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक हिंदी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए : 4

(क) आप दिव्य/दिव्या हैं। आप अपनी आवासीय समिति के कल्याण सचिव हैं। अपनी सोसायटी में आयोजित होने वाले सात दिवसीय योग शिविर की जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

अथवा

(ख) आप विद्यालय के विद्यार्थी परिषद् के सचिव दिव्य/दिव्या हैं। आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता हेतु विद्यालय के पुस्तकालय में बुक-बैंक की स्थापना की गई है। इस विषय में सभी विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

15. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए : 3

(क) सोलर पैनल वाली कंपनी 'ऊर्जा' की ओर से अपने उत्पाद की जानकारी देने और बिक्री बढ़ाने हेतु एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) प्रदेश सरकार की ओर से दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किए जाने की जानकारी देते हुए आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. (क) आप भैरव/भैरवी हैं। अपने क्षेत्र में सरकारी दवाखाना खुलवाने का निवेदन करते हुए नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। 5

अथवा

(ख) "रविवार का दिन था। माँ रसोई में खाना बना रही थी तभी दरवाज़े पर दस्तक हुई।" — पंक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।